<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

इरेडा ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 865 करोड़ रुपए का अब तक सर्वाधिक पीएटी अर्जित किया ; नेट एनपीए में 1.66% की महत्वपूर्ण कमी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा), देश में सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा वित्तीयन कंपनी है, जिन्होंने वित्तीय वर्ष वित्तीय वर्ष 2022-23 में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक कर पश्चात लाभ (पीएटी) 865 करोड़ रुपये और कर से पहले लाभ (पीबीटी) 1,139 करोड़ रुपये अर्जित की है । ये आंकड़े पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में क्रमशः 36% और 37% की महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। इरेडा की नेट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) वित्तीय वर्ष 2022-23 में घटकर 1.66% हो गई है, जोकि वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 3.12% थी, यह साल-दर-साल आधार पर 47% (प्रतिशत के संदर्भ में) की महत्वपूर्ण कमी है।

इरेडा के निदेशक मंडल ने कंपनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन और निरंतर विकास की सराहना करते हुए आज आयोजित एक बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी।

इरेडा की लोन बुक 31 मार्च, 2022 को 33,931 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च, 2023 तक 47,076 करोड़ रुपये (39% की वृद्धि दर्ज करते हुए) हो गई है । कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान अब तक का सर्वाधिक वार्षिक ऋण मंजूरी 32,587 करोड़ रुपये और 21,639 करोड़ रुपये का ऋण संवितरण किया है जोकि पिछले वित्तीय वर्ष के ऋण मंजूरी 23,921 करोड़ रुपये और ऋण संवितरण 16,071 करोड़ रुपये की तुलना में क्रमशः 36% और 35% की वृद्धि दर्ज की गई। यह कंपनी के इतिहास में सर्वाधिक वार्षिक ऋण संवितरण और मंजूरी का प्रतीक है।

31 मार्च, 2023 के अनुसार कंपनी का नेट वर्थ 5,935 करोड़ रुपये हो गई है जोकि 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के दौरान 5,268 करोड़ रुपये थी। (13% की वृद्धि)।

वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक वित्तीय हाइलाइट इस प्रकार हैं:

- **कर पूर्व लाभ:** 834 करोड़ रुपये की तुलना में 1,139 करोड़ रुपये। (37% की वृद्धि**)**
- **कर पश्चात लाभ:** 634 करोड़ रुपये की तुलना में 865 करोड़ रुपये। (36% की वृद्धि)
- **ऋण मंजूरी :** 23,921 करोड़ रुपये की तुलना में 32,587 करोड़ । (36% की वृद्धि)
- **ऋण संवितरण:** 16,071 करोड़ की तुलना में 21,639 करोड़ रुपये। (35% की वृद्धि)
- **लोन बुक:** 33,931 करोड़ रुपये की तुलना में 47,076 करोड़ रुपये। (39% की वृद्धि)
- **नेट वर्थ:** 5,268 करोड़ रुपये की तुलना में 5,935 करोड़ रुपये । (13% की वृद्धि)
- **नेट एनपीए:** 3.12% की तुलना में 1.66% (प्रतिशत के संदर्भ में 47% की कमी)

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप कुमार दास ने कंपनी के विकास का श्रेय हितधारकों के भरोसे और समर्थन को दिया है। उन्होंने माननीय केंद्रीय ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री आर.के. सिंह और

माननीय राज्य मंत्री, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा श्री भगवंत खुबा ; एमएनआरई के सचिव; विद्युत मंत्रालय के सचिव और निदेशक मंडल को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया, जोकि इरेडा के ऐतिहासिक प्रदर्शन को प्राप्त करने में सहायक रहा है।

श्री दास ने पुनः पुष्टि की कि इरेडा माननीय प्रधान मंत्री के 'पंचामृत' लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित क्षमता के 500 गीगावाट को प्राप्त करने में एक अभिन्न हिस्सा है।

इरेडा के सीएमडी ने इरेडा के कर्मचारियों की समर्पित टीम की उनकी प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों के लिए सराहना की, जिससे ये ऐतिहासिक वित्तीय परिणाम संभव हो सका । संगठन को नवाचार, स्थिरता और प्रभावी जोखिम प्रबंधन पर निरंतर ध्यान करके आने वाले वर्षों में इसके विकास और सफलता को निरंतर जारी रहने की उम्मीद है ।

इरेडा पहला पीएसयू है, जिसने सेबी की 60 दिनों की समय सीमा के बावजूद अपने वार्षिक लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को केवल 25 दिनों में प्रकाशित करके इतिहास रचा है। इरेडा ने पिछले वर्ष के दौरान 30 दिनों में अपने वार्षिक लेखा परीक्षित वित्तीय परिणाम प्रकाशित किया था ।